

**मुहर्टम का जुलूस मातम में तब्दील चार नौजवानों की मौत
के लिए जिम्मेदार कौन, क्यों नहीं काटी गई थी बिजली**



राष्ट्रीय खबर

रचा/बाकारा: बाकारा में मुहरम का जुलूस मातम में तब्दील हो गया। चार नौजवान जान गंवा बैठे। एक की हालत गंभीर बनी हुई है। अच्छी बात है कि पांच घायल अब खतरे से बाहर हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि हादसा कैसे हुआ। दूसरा सवाल है कि हादसा क्यों हुआ। तीसरा सवाल है कि हादसे के लिए जिम्मेवार कौन है। इस सवालों की पढ़ताल करने पर कई चौकाने वाली बातें सामने आई हैं जिन्हीं विजली विभाग, तेनुघाट के कार्यपालक अभियंता समीर कुमार का दावा है कि खेतकों गंव के लोगों ने तजिया जुलूस निकालने की जानकारी दी ही नहीं थी। उनके मुताबिक उसी गंव में विजली विभाग के मिस्त्री मुमताज भी रहते हैं। उन्हें भी इसकी जानकारी नहीं थी।

मुताबिक सुबह 5:150 बजे घटना घटी है। ताजिया के सर्टे ही ऑटोमेटिक लाइन डिस्केनेक्ट हो गया था। जहां हादसा हुआ है उस इलाके में डीवीसी से बिजली लेकर गोमिया के कथारा पावर हाउस से सप्लाई की जाती है जहां-जहां से जुलूस की सूचना मिली थी, उस इलाके की बिजली काटी जा चुकी थी। कार्यपालक अभियंता का दावा है कि उन्होंने कल ही एक आदेश निकाला था कि रामनवमी की तरह मुर्हरम के जुलूस के दौरान भी सुबह 11 बजे तक जुलूस खत्म होने तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। लेकिन सुबह के वक्त खेतकों के लोगों ने बिना सूचना दिए ताजिया निकाल दिया और ताजिया का एक हिस्सा 11 हजार वोल्ट वाले बिजली तार से जा सदा। उनके मुताबिक विभाग की तरह से मतक के

पराजना का प्रताप पारवार दा लाख रुपए और घायलों को एक लाख रुपए का मुआवजा दिया जा रहा है। बोकारो के डीसी कुलदीप चौधरी ने बताया कि जिला में सुबह के वक्त 17 जगहों पर ताजिया के साथ जुलूस निकला था। इस दौरान 16 एरिया की बिजली काटी गई थी। लेकिन पेटरवार के खेतकों की बिजली नहीं काटी गई थी। इसकी जांच की जा रही है।

समय पर इलाज जरूरा हा जाता है। लिहाजा, पड़ताल करने पर पता चला कि इलाज में कोई कोताही नहीं हुई है। सबसे पहले वहां के लोग घायलों को बोकारो थर्मल पावर स्टेशन के पास बीटीपीएस अस्पताल में ले गये। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बोकारो जेनरल अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन बीजीएच में इलाज के दौरान चार युवकों की मौत हो गई। फिलहाल एक युवक को आईसीयू में रखा गया है। शेष पांच की हालत खतरे से बाहर बतायी जा रही है। खेतको पंचायत के मुखिया के मुताबिक 11 हजार वोल्ट का तार काफी निचे झूल रहा है। हालांकि उन्होंने यह माना कि जुलूस की जानकारी बिजली विभाग को नहीं दी गई थी इस बारे में गज्य सरकार के चिकित्सक डॉ

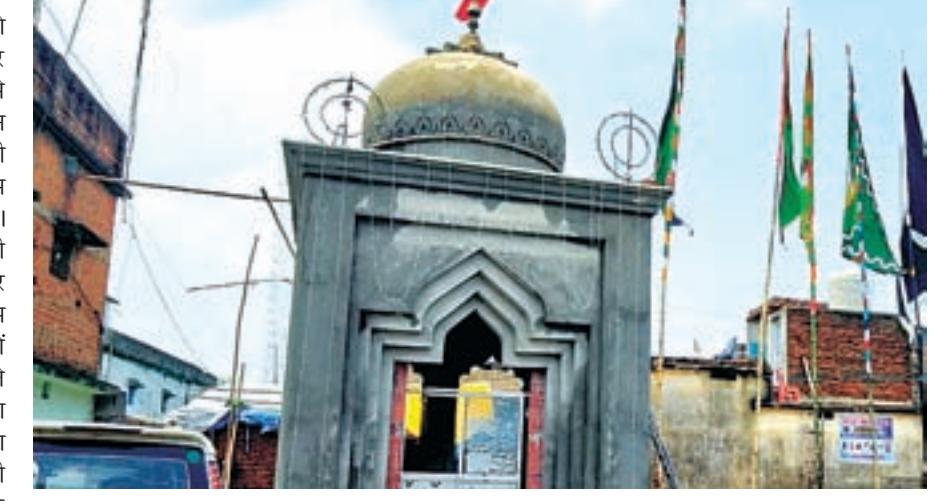
रणधीर कुमार सिंह ने बताया कि
अचानक तेज पावर का करंट
लगने से दिल की गति प्रभावित होती है। हार्ट के पंप करने के
शक्ति कम हो जाती है। शरीर में
फ्लड की कमी हो जाती है।

मरीज के इस अवस्था के मेडिकल टर्म में वैद्यीकुल-फेब्रिलेशन कहा जाता है। ऐसे समय में मरीज को सलाइंग चढ़ाकर हार्ट से जुड़ी दिवाईयां दी जाती हैं। लेकिन कई मरीज इस झटके से रिकवर नहीं हो पाते हैं। इसकी वजह से जान चली जाती है ग्रामीणों से बातचीत करने पर पता चला कि किसी भी मुस्लिम बहुल गाँव में अलग-अलग टोलें के लोग चाहते हैं कि उनके टोले का ताजिया सबसे ज्यादा आकर्षक हो। इसके लिए टोले स्तर पर एक प्रतियोगिता सी बर्न रहती है। दिन-रात मेहनत करके लोग ताजिया को सजाते हैं लेकिन समय के साथ ताजियां बढ़ापे रपा दें और भी बदलती हैं। मात्र

दौरा था जब बांस और कपड़ों
इस्तमाल कर तजिया बन-
जाता था। लेकिन अब वे
तजिया बनाने के लिए लोहे
रॉड और फ्रेम का इस्तेमाल विभी

का इस्तेमाल नहीं हुआ होता तो
गाया है कि इतनी बड़ी क्षति
बड़ा के होती बोकारो में हुई घटन
रक्या मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने
व्यक्त किया है। उन्होंने द्वीप

संभव शांति और शोकाकुल परिजनों को
नहीं दुख की घड़ी सहन करने की
पा पर शक्ति की कामना की है। सीएम
शोक के मुताबिक जिला प्रशासन की
ट कर देखरेख में घायलों का इलाज चल



कड़ी सुरक्षा के बीच राजधानी में निकला मोहर्रम जुलूस, देशभक्ति की दिखी हर तरफ झलक



राष्ट्रीय खबर

रांची: पूरे राज्य में मोहर्रम मनाया जा रहा है। जगह-जगह जुलूस निकाले जा रहे हैं। राजधानी रांची में भी मोहर्रम मनाया जा रहा है। मोहर्रम जुलूस को लेकर राजधानी में पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। जिसके बीच रांची के विभिन्न क्षेत्रों से मोहर्रम का जुलूस निकला। बच्चे बूढ़े औजवान सभी मोहर्रम के जुलूस में शामिल हुए। इस दौरान राजधानी में पुलिस की व्यावस्था बेटवं बद्दल दियी। दमा



दौरान जुलूस में देशभक्ति की झलक देखने मिली बता दें कि हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मोहर्रम मनाया जाता है। इस दिन मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा तजिया निकाला जाता है और शोक प्रकट करते हुए मातम मनाया जाता है। रांची में भी हजरत इमाम हुसैन की शहादत को लेकर तजिया निकाला गया। इस दौरान शहादत को याद कर-के मुस्लिम समाज के लोगों ने मातम भी मनाया। जुलूस में शामिल लोग काले कपड़े पहन कर अपना शोक प्रकट कर रहे थे। इस दौरान सभी नगे पैर चल रहे थे। इस दौरान हाय हुसैन का गूंज वातावरण में गूंजती रही वहीं जुलूस के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना में इसके लिए पूरी राजधानी पुलिस सक्रिय दिखी। मोहर्रम के जुलूस के दौरान राजधानी रांची में हर तरफ तिरंगा ही तिरंगा नजर आया। मोहर्रम का जुलूस देशभक्ति के जब्बे से ओत पोत नजर आया। इस दौरान भव्य झांकियां निकाली गईं, जो लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहा थी। मोहर्रम के जुलूस में भारत में निर्मित मिसाइल सहित शहादत चिन्ह का भी प्रदर्शन किया गया।

The image shows the logo for 'Rashtriya Khabar'. The main title 'राष्ट्रीय खबर' is written in a large, bold, black sans-serif font. Below it, the word 'हमारी नज़र' is written in a smaller, black font. In the bottom left corner, there is a smaller image of the newspaper's front page, which has 'राष्ट्रीय खबर' printed on it. The background is a light blue color with white wavy patterns.

Visit us @Ph.
0651-2244505
0651-2244605